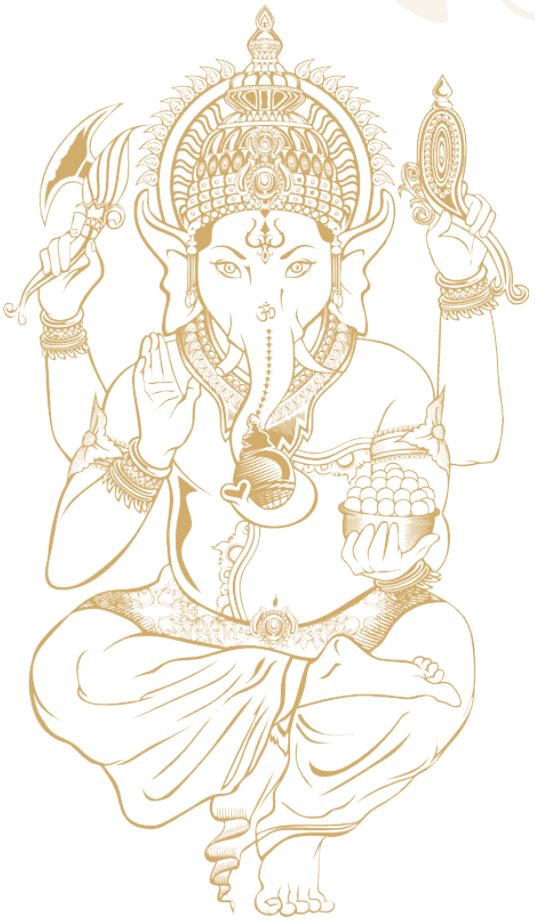

????? ?????

27 May 1994

06:00 PM

Solan

Model: web-freekundliweb

Order No: 121580311

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**27/05/1994**
दिन	शुक्रवार
जन्म समय	**18:00:00 घंटे**
इष्ट	31:37:57 घटी
स्थान	**Solan**
राज्य	Himachal Pradesh
देश	India

अक्षांश	30:54:00 उत्तर
रेखांश	77:06:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:36 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	17:38:24 घंटे
वेलान्तर	00:02:56 घंटे
साम्पातिक काल	09:57:44 घंटे
सूर्योदय	05:20:49 घंटे
सूर्यास्त	19:16:54 घंटे
दिनमान	13:56:05 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	12:12:32 वृष
लग्न के अंश	26:55:27 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**धनु - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**पूर्वाषाढ़ा - 1**
नक्षत्र स्वामी	शुक्र
योग	शुभ
करण	विष्टि
गण	मनुष्य
योनि	वानर
नाड़ी	मध्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	मानव
वर्ग	मूषक
युँजा	अन्त्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	भू-भूमिका
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मिथुन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	26:55:27	302:50:54	विशाखा	3	16	शुक्र	गुरु	शुक्र	---
सूर्य			वृष	12:12:32	00:57:34	रोहिणी	1	4	शुक्र	चंद्र	राहु	शत्रु राशि
चंद्र			धनु	14:45:57	14:18:43	पूर्वाषाढ़ा	1	20	गुरु	शुक्र	शुक्र	सम राशि
मंगल			मेष	08:54:00	00:44:53	अश्विनी	3	1	मंगल	केतु	गुरु	मूलत्रिकोण
बुध			मिथु	05:00:05	01:08:26	मृगशिरा	4	5	बुध	मंगल	सूर्य	स्वराशि
गुरु	व		तुला	12:48:58	00:05:51	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	बुध	शत्रु राशि
शुक्र			मिथु	13:57:12	01:11:39	आर्द्रा	3	6	बुध	राहु	बुध	मित्र राशि
शनि			कुंभ	18:02:22	00:02:35	शतभिषा	4	24	शनि	राहु	सूर्य	मूलत्रिकोण
राहु	व		वृश्चि	00:00:07	00:01:15	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	चंद्र	शत्रु राशि
केतु	व		वृष	00:00:07	00:01:15	कृतिका	2	3	शुक्र	सूर्य	राहु	सम राशि
हर्ष	व		मक	02:16:33	00:01:15	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	गुरु	---
नेप	व		धनु	29:18:01	00:00:58	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	राहु	---
प्लूटो	व		वृश्चि	02:38:39	00:01:38	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	राहु	---
दशम भाव			सिंह	03:26:59	--	मघा	--	10	सूर्य	केतु	सूर्य	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:46:57

लग्न-चलित

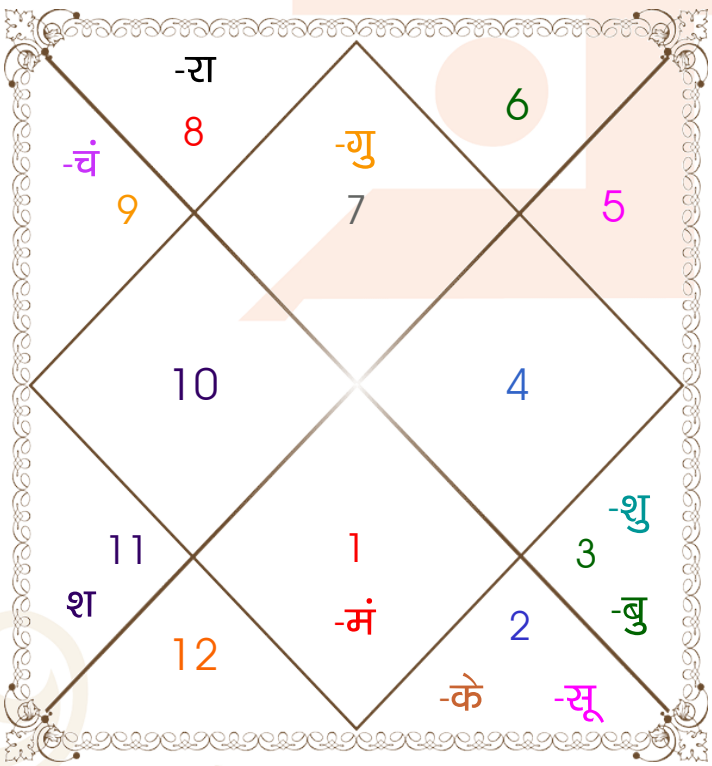

चन्द्र कुंडली

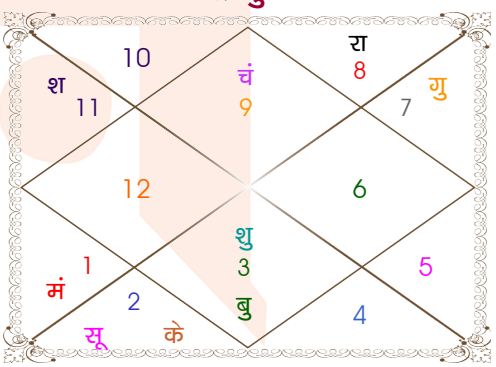

नवमांश कुंडली

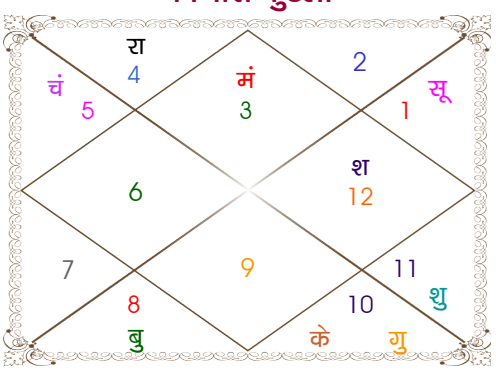

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शुक्र 17 वर्ष 10 मास 6 दिन

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
27/05/1994		02/04/2012		03/04/2018		02/04/2028		03/04/2035	
02/04/2012		03/04/2018		02/04/2028		03/04/2035		03/04/2053	
शुक्र	03/08/1995	सूर्य	21/07/2012	चंद्र	01/02/2019	मंगल	29/08/2028	राहु	14/12/2037
सूर्य	02/08/1996	चंद्र	20/01/2013	मंगल	02/09/2019	राहु	17/09/2029	गुरु	09/05/2040
चंद्र	03/04/1998	मंगल	27/05/2013	राहु	03/03/2021	गुरु	24/08/2030	शनि	16/03/2043
मंगल	03/06/1999	राहु	21/04/2014	गुरु	03/07/2022	शनि	03/10/2031	बुध	02/10/2045
राहु	03/06/2002	गुरु	07/02/2015	शनि	01/02/2024	बुध	29/09/2032	केतु	21/10/2046
गुरु	01/02/2005	शनि	20/01/2016	बुध	03/07/2025	केतु	25/02/2033	शुक्र	20/10/2049
शनि	02/04/2008	बुध	26/11/2016	केतु	01/02/2026	शुक्र	27/04/2034	सूर्य	14/09/2050
बुध	01/02/2011	केतु	03/04/2017	शुक्र	03/10/2027	सूर्य	02/09/2034	चंद्र	15/03/2052
केतु	02/04/2012	शुक्र	03/04/2018	सूर्य	02/04/2028	चंद्र	03/04/2035	मंगल	03/04/2053

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
03/04/2053		03/04/2069		02/04/2088		04/04/2105		03/04/2112	
03/04/2069		02/04/2088		04/04/2105		03/04/2112		00/00/0000	
गुरु	22/05/2055	शनि	05/04/2072	बुध	30/08/2090	केतु	31/08/2105	शुक्र	28/05/2114
शनि	02/12/2057	बुध	15/12/2074	केतु	27/08/2091	शुक्र	31/10/2106		00/00/0000
बुध	09/03/2060	केतु	23/01/2076	शुक्र	27/06/2094	सूर्य	08/03/2107		00/00/0000
केतु	13/02/2061	शुक्र	25/03/2079	सूर्य	04/05/2095	चंद्र	07/10/2107		00/00/0000
शुक्र	15/10/2063	सूर्य	06/03/2080	चंद्र	02/10/2096	मंगल	04/03/2108		00/00/0000
सूर्य	02/08/2064	चंद्र	05/10/2081	मंगल	29/09/2097	राहु	22/03/2109		00/00/0000
चंद्र	02/12/2065	मंगल	14/11/2082	राहु	19/04/2100	गुरु	26/02/2110		00/00/0000
मंगल	08/11/2066	राहु	20/09/2085	गुरु	25/07/2102	शनि	07/04/2111		00/00/0000
राहु	03/04/2069	गुरु	02/04/2088	शनि	04/04/2105	बुध	03/04/2112		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शुक्र 17 वर्ष 10 मा 16 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म विशाखा नक्षत्र के तृतीय चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। आपके जन्म समय मेदिनीय क्षितिज पर मिथुन राशि का नवमांश एवं मिथुन द्रेष्काण लग्न भी उदित था। प्रस्तुत ज्योतिषीय आकृति के अनुसार यह स्मरणीय है कि आप में दुर्भावनाओं से युक्त नकारात्मक गुण विद्यमान है। आप सौभाग्यशाली है। आप वैक्तिक विशेषता के प्रभाव से समुचित धन सम्पत्ति युक्त जीवन, बिना किसी भी इच्छा के अनुरूप समुचित ढंग से व्यतीत करेंगी।

आपकी चारित्रिक नाकारात्मक उत्कंठा अन्यों के विकास के लिए असहयनीय है। आप जब किसी को धन संचय करते हुए अथवा संपत्ति अर्जन करते देखती हों तब आप इर्ष्यात्मक प्रवृति से युक्त होकर उसके कार्य को नष्ट करने के लिए सुनिश्चित होकर उसके पीछे पड़ कर खुद प्राप्त न कर उसे बिगाड़ देना ठीक समझती हो। इसके संबंध में आपको क्या करना चाहिए यह रहस्य अन्यों की अपेक्षा आप स्वयं जानती है। आप लापरवाही से अपनी बड़ाई के लिए बहुत अधिक लोगों पर प्रभाव जमाती हैं। यह प्रवृति आपको मात्र अप्रसिद्ध ही नहीं बनाती बल्कि सर्वदा आपके प्रगति के पथ पर अनेकों प्रकार से विरोध प्रदर्शन करती हैं।

आप में सामान्य ज्ञान और सक्षमता विद्यमान है कि आप प्रतिपक्ष पर विजय प्राप्त कर लेती हों परंतु आप अनेकों को अपना स्थायी शत्रु बना लेती हैं। इस प्रकार आप कठिन श्रम संपादन हेतु उपयुक्त हो। मुख्यतः आप अपनी आयु की प्रथम अवधि 21 वें वर्ष से 28 वे वर्ष तथा द्वितीय 28 वें वर्ष से 34 वे वर्ष के मध्य काफी धन संपत्ति का उपार्जन एवं लाभ प्राप्त करेंगी। आप अपनी आय का यथेष्ठ अंश अपने निरंतर भ्रमण पर तथा अपने घर को नवीनतम साज-शय्याओं से युक्त करने पर व्यय करेंगी।

आप अपना परिवार जीवन सुखपूर्ण व्यतीत करेंगी। आप स्वयं के सुख हेतु सुव्यवस्था पूर्वक सभी इंतजाम करेंगी। आप निःसंदेह पूर्वक अपने समझदार पति एवं बच्चों से बहुत स्नेह रखेंगी। परंतु आप सदैव वासनात्मक भावनाओं से चिंतित रह सकती है तथा विपरीत योनि के प्रति आकर्षित रहेंगी। क्योंकि आपकी आकर्षक आंखे विपरीत योनि को आकर्षित करती है। आपको इस प्रकार की रोमांचित प्रवृति के प्रति झुकाव नहीं रखकर अपने सहज परिवारिक जीवन को आनंदित रखने के लिए आश्वस्त होना चाहिए।

आप अपने लिए योग्य एवं उपयुक्त जीवन संगी का चुनाव कर सकती हैं जिसका जन्म मिथुन अथवा कुंभ राशि में हुआ हो। परंतु आप मीन राशि, मकर एवं कर्क राशि के जातक का चयन कर अपने सामान्य जीवन को संघर्षपूर्ण करेंगी।

आपका स्वास्थ्य अधिकांशतः सुंदर एवं ठीक रहेगा। परंतु इसके अतिरिक्त ऐसी संभावना है कि आप कतिपय रोगों से प्रभावित भी हो सकती हैं यथा डायविटिज, किडनी की परेशानी तथा बाद में ट्यूमर युक्त रोग की आशंका है। अतः आपको इस रोग के प्रति सुरक्षात्मक कदम उठाना चाहिए।

आपके लिए अनुकूल अंक 1, 2, 4 एवं 7 अंक लाभदायक है। परंतु 3, 5, 6 एवं 9 अंक सर्वथा त्याज्य है।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।